दिगंत

ई-पत्रिका :फरवरी- 2021

'नैक' प्रत्यायित

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय

सिविल लाइन्स, गोरखपुर-273001

website : www.dnpgcollege.edu.in

दिगंत-ई-पत्रिका:फरवरी- 2021

संरक्षक मण्डल

परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज

मुख्य संरक्षक

प्रो.उदय प्रताप सिंह

अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

श्री प्रमोद कुमार चौधरी

उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

सम्पादक मण्डल

डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह, प्राचार्य

प्रधान सम्पादक

1. **डॉ. सुभाष चन्द्र,** सहायक आचार्य, बी.एड. विभाग
2. **डॉ. विभा सिंह,** सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग
3. **डॉ. शैलेश कुमार सिंह,** सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग
4. **डॉ. प्रियंका सिंह,** सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग
5. **डॉ. सुनील कुमार सिंह,** सहायक आचार्य,, समाजशास्त्र विभाग
6. **डॉ. समृद्धि सिंह,** सहायक आचार्य,, समाजशास्त्र विभाग

'कृषि बिल 2020' विषय पर कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 01.02.2021 को महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में कृषि बिल 2020 के संदर्भ में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में स्नातकोत्तर समाजशास्त्र के विद्यार्थियों ने कृषि बिल के पक्ष और विपक्ष में अपने विचार रखे। विद्यार्थियों की कृषि बिल सम्बन्धी शंकाओं का समाधान भी किया गया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि अर्थशास्त्र विभाग के प्रभारी डॉ. सत्यपाल सिंह थे। उन्होंने अपने विचार रखते हुए कहा कि अन्नदाता व उत्पादनकर्ता के बीच के अंतर को समझना होगा। उन्होंने भंडारण सम्बंधी संदेहों को दूर करते हुए, भंडारण के अर्थ व उसकी उपयोगिता को भी स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि कृषि बिल 2020 जितना बेहतर है, उससे कहीं अधिक राजनीति इसमें हावी हो गई है। बिल में यदि किसी सुधार की जरूरत हो तो अवश्य की जानी चाहिए, लेकिन इसे समाप्त करने के लिए दबाव बनाना सर्वथा अनुचित है।

समाजशास्त्र विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ अर्चना सिंह ने इस विषय पर कहा कि यदि नए कृषि बिल में किसानों को किसी भी विषय पर संदेह है तो उन्हें अपनी बात उचित तरीके से सरकार के सामने रखनी चाहिए, जिसका यथोचित समाधान सरकार द्वारा निश्चित रूप से किया जा सकेगा।

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए समाजशास्त्र विभाग के प्रभारी डॉ. रामलाल गाडिया ने कहा कि नए कृषि कानूनों के प्रभाव दूरगामी होंगे। इससे न केवल किसानों की आय में वृद्धि होगी अपितु फसलों की उत्पादकता में भी वृद्धि होगी। किसानों को वैश्विक स्तर के कृषि तकनीक सुलभ हो सकेंगी तथा छोटे व मझोले किसानों की आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

वनस्पति विज्ञान विभाग

'विश्व वेटलैण्ड दिवस' पर एक संगोष्ठी का आयोजन

दिनांक 02.02.2021 को दिग्विजयनाथ महाविद्यालय के बी.एससी. (बायो) द्वारा स्थापित 'विज्ञान क्लब' द्वारा वनस्पति विज्ञान विभाग में 'विश्व वेटलैण्ड दिवस' (विश्व आर्द्र भूमि दिवस) के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। विज्ञान क्लब के संयोजक श्री धर्मचन्द विश्वकर्मा ने विज्ञान क्लब के उद्देश्यों को विस्तार पूर्वक बताया और कहा कि वेटलैण्ड पर्यावरण संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण विषय है। पूरी दुनिया में 02 फरवरी को विश्व आर्द्र भूमि दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन वर्ष 1971 में ईरान के शहर रामसर में आर्द्रभूमि पर एक अधिसमय (कनवेंशन ऑन वेटलैण्ड) को अपनाया गया था। इस वर्ष विश्व आर्द्र भूमि की थीम 'आर्द्र भूमि और जल' है। वेटलैण्ड एक विशिष्ट प्रकार का पारिस्थितिकी तंत्र है तथा जैव विविधता का एक महत्वपूर्ण अंग है। जलीय और स्थलीय जैव विविधताओं का मिलन स्थल होने के कारण यहाँ वन्यप्राणि प्रजातियों व वनस्पतियों की प्रचुरता पाये जाने की वजह से वेटलैण्ड समृद्ध पारितंत्र है। इस अवसर पर बी.एससी. बायो वर्ग के समस्त विद्यार्थी एवं शिक्षकगण उपस्थित थे।

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020' विषय पर वाणिज्य विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन

उक्त विषय पर दिनांक 03.02.2021 को विशिष्ट व्याख्यान आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, प्रोफेसर अवधेश कुमार तिवारी, अधिष्ठाता, वाणिज्य संकाय दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर थे। उन्होंने अपन उद्बोधन में कहा कि ब्रहमलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने वर्ष 1968 की शिक्षा नीति पर जो अपना नोट ऑफ डिसेन्ट लगाया था वह वर्तमान शिक्षा नीति में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। यदि महाराज जी के नोट ऑफ डिसेन्ट को देश की प्रथम शिक्षा नीति में ही शामिल कर लिया गया होता तो आज देश की शिक्षा व्यवस्था का स्वरूप कुछ और ही

होता तथा हम भारत को विश्व गुरू के रूप में पहले ही स्थापित कर चुके होते। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने किया।

कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत से हुआ। स्वागत एवं प्रस्ताविकी श्री दीपक कुमार साहनी ने किया, आभार ज्ञापन श्रीमती रानी द्विवेदी ने किया तथा कार्यक्रम का संचालन डॉ. चण्डी प्रसाद पाण्डेय ने किया।

बी.एड.विभाग द्वारा विदाई समारोह का आयोजन

महाविद्यालय के बी.एड. विभाग में दिनांक 04.02.2021 को विदाई समारोह के रूप में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सत्र–2019–2021 के छात्राध्यापक तथा छात्राध्यापिकाओ द्वारा सत्र–2018–2020 के छात्राध्यापक छात्राध्यापिकाओं को विदाई दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ शारदा के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप–प्रज्वलन से किया गया। तत्पश्चात् सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत बी.एड. द्वितीय वर्ष की छात्राध्यापिकाओं सुकृति, प्रतिष्ठा, प्रिया एवं पूजा मौर्य द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत बी.एड. विभाग द्वारा सत्र 2018–2020 के छात्राध्यापक एवं छात्राध्यापिकाओं को उनके उत्कृष्ट कार्य हेतु पुरस्कृत किया गया। मेधावी एवं समस्त गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने हेतु श्वेता त्रिपाठी, अजय सिंह एवं आलोक पाठक को पुरस्कृत किया गया।

उक्त अवसर पर बी.एड. द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापकों विनय त्रिपाठी, सूरज कुमार ,ज्ञानेंद्र राय एवं बालेंद्र द्वारा एक विदाई गीत प्रस्तुत किया गया तथा इसके साथ ही श्वेता त्रिपाठी, वास्तु कुमार पाण्डेय, प्रतिभा त्रिपाठी तथा अन्य छात्राध्यापक एवं छात्राध्यापिकाओं द्वारा विभिन्न सांकृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं। इसके पश्चात् विभाग प्रभारी डॉ. अरुण तिवारी ने छात्राध्यापकों एवम् छात्राध्यापिकाओं को उद्‌बोधित किया।

एण्ड्रोक्राइनोलॉजी इन ओवरव्यू विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन

दिनांक 05.02.2021 को प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा अपराह्न 01:00 बजे **एण्डोक्राइनोलॉजी एन ओवरव्यू विषय पर विशिष्ट व्याख्यान** का आयोजन हुआ, जिसके वक्ता **प्रो. सुनील श्रीवास्तव, प्राणि विज्ञान विभाग**, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर थे।

उन्होंने सरल और सारगर्भित तरीके से **एण्डोक्राइनोलॉजी और विभिन्न हार्मोन्स के कार्यों व महत्व के बारे में** बी.एससी.बायो के छात्र/छात्राओं को बताते हुए कहा कि कैसे विभिन्न हार्मोन्स हमारे शरीर के सभी मेटाबॉलिक क्रियाओं को नियंत्रित और समन्वय करते हैं। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने किया। इस कार्यक्रम की संयोजक डॉ. अनिता कुमारी व उपसंयोजक डॉ शिल्पी श्रीवास्तव प्राणि विज्ञान विभाग थे

विशिष्ट व्याख्यान : हिन्दी विभाग

छायावादी कविता आधुनिकता सभ्यता का आलोचनाशील अन्त:करण है

दिनांक 05.02.2021 को हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग की सांस्कृतिक इकाई 'साहित्यार्चन' द्वारा एक व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसका विषय–**''आधुनिकता और छायावादी काव्य विमर्श'' था**। जिसमें **मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. सिद्धार्थ शंकर, आचार्य, हिन्दी विभाग, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा (बिहार)** ने उद्‌बोधन दिया।

आधुनिकता को एक नूतन मूल्य बोध और वैज्ञानिकता के रूप में डॉ. शंकर ने व्याख्यायित किया। एक सामान्य आदमी के रूप में मनुष्य की प्रतिस्थापना का भी समय यही है जिसमें धर्म के घोषित सत्य को प्रकारान्तर से नकारा गया उन्होंने यह भी बताया कि देह का सम्बन्ध भौतिक सत्ता से है जो आधुनिकता का पर्याय है। डॉ. शंकर ने जयशंकर प्रसाद की 'कामायनी' को आधुनिक सभ्यता विमर्श के पाठ के रूप में माना। इसमें 'हिन्द स्वराज' की प्रतिध्वनि भी है, इसमें बुद्धिवादी सभ्यता के सापेक्ष समन्वित सभ्यता का उद्‌घोष है। निराला, पंत एवं महादेवी वर्मा की कविताओं में इसी सत्य को देखा जा सकता है। उन्होंने बताया कि छायावादी कविता में प्रकृति का आलंबन भाव से चित्रण आधुनिकता के मानववादी मूल्य के सापेक्ष सर्वभूतवादी दर्शन की प्रतिष्ठा है। विषय प्रवर्तन हिन्दी विभाग के सहयुक्त आचार्य डॉ. नित्यानन्द श्रीवास्तव ने तथा संचालन सहायक आचार्य डॉ. विभा सिंह

ने किया। कार्यक्रम में हिन्दी विभाग के प्रभारी डॉ. सत्येन्द्र प्रताप सिंह, श्री भगवान सिंह, नाथ चन्द्रावत महाविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. मित्रपाल सिंह एवं डॉ. राकेश कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। व्याख्यान कार्यक्रम में हिन्दी विभाग के शोध छात्रों तथा विद्यार्थियों की सराहनीय भूमिका रही।

दीनदयाल उपाध्याय स्मृति सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 05.02.2021 दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय **गोरखपुर द्वारा दीनदयाल उपाध्याय स्मृति सप्ताह कार्यक्रम के आयोजन करने हेतु** विश्वविद्यालय द्वारा दिग्विजय नाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर को नोडल केंद्र बनाया गया है ; जिसके आलोक में महाविद्यालय में दिनांक 05–02–2021 को हिंदी भाषण प्रतियोगिता तथा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हिन्दी भाषण प्रतियोगिता का विषय **'पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सपनों का भारत'** था। इसमें गोरखपुर जिले के विभिन्न महाविद्यालयों से आए हुए प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में कुल 09 संस्थाओं के 25 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया तथा पोस्टर प्रतियोगिता में कुल 10 संस्थाओं के 23 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दिव्या शुक्ल दिग्विजयनाथ एल. टी. महाविद्यालय, गोरखपुर, द्वितीय स्थान अंबिका दुबे दिग्विजय नाथ एल.टी. महाविद्यालय गोरखपुर और तृतीय स्थान रामकेश त्रिपाठी दिग्विजय नाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर ने प्राप्त किया।

इस क्रम में पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान रागिनी विश्वकर्मा दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय सहजनवा गोरखपुर द्वितीय तथा तृतीय स्थान क्रमशः शालू सिंह तथा सुकृति पाण्डेय, दिग्विजयनाथ महाविद्यालय गोरखपुर ने प्राप्त किया।

भाषण प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. रविंद्र कुमार ने तथा पोस्टर प्रतियोगिता के संयोजक श्री सुरेंद्र चौहान ने प्रतिभागियों को आशीर्वाद दिया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। संचालन डॉ. राकेश कुमार ने किया। कार्यक्रम में डॉ. संजय कुमार त्रिपाठी, श्री इंद्रेश पाण्डेय, डॉ. सुभाष चन्द्र, डॉ. अखण्ड प्रताप सिंह, डॉ. रुक्मिणी चौधरी, डॉ. जागृति विश्वकर्मा तथा अन्य महाविद्यालयों के शिक्षक तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

'केमिकल सांइसेज : स्कोप एण्ड इनॉरमस कैरियर ऑपरच्युनिटीस' विशय पर विशिष्ट व्याख्यान

दिनांक 06.02.2021 को महाविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के तत्वावधान में 'केमिकल सांइसेज : स्कोप एण्ड इनॉरमस कैरियर ऑपरच्युनिटीस' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन हुआ।

ऑनलाइन आयोजित इस विशिष्ट व्याख्यान में विषय विशेषज्ञ नवी मुम्बई के डी.वाई. पाटिल डीम्ड विश्वविद्यालय के रामराव आदिक इन्स्टीट्यूट के इंजीनियरिंग साइंसेज विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. नम्रता सिंह थी। डॉ. नम्रता ने चेक गणराज्य के प्राग विश्वविद्यालय एवं आई.आई.टी. मुम्बई से पोस्ट डाक्टोर किया है। वर्तमान में वह रिविस्टा मेडिसिन जर्नल की मुख्य सम्मादक तथा जर्नल आफ बॉयोमोलिक्यूल्स की अतिथि सम्पादक हैं।

डॉ. नम्रता ने रसायनशास्त्र विषय में अपना भविष्य बनाने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध अवसर की विस्तृत जानकारी देते हुए रसायनशास्त्र के हाई–डिमाण्ड क्षेत्र, थ्रस्ट एरिया, उपलब्ध ऑनलाइन कोर्सेज, फेलोशिप/स्कालरशिप कहॉ से प्राप्त करें के बारे में बतलाया। उन्होने कहा कि विद्यार्थी अपने को सदा अपडेट रखें व अपने आइडिया को शेयर करने में संकोच न करें। संस्थान अपने एक्सपर्टीज को आपस में शेयर करें, विद्याथियों को सदा मोटिवेटेड रखें एवं मेंटर्स, युवा रिसचर्स को उत्साहित करते रहें। कार्यक्रम का संचालन रसायन विज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ. शशिप्रभा सिंह ने, तकनीकी सहयोग कामर्स विभाग के डॉ. अमरनाथ तिवारी, रसायन विज्ञान विभाग के डॉ. मनीष श्रीवास्तव, डॉ. आनन्द गुप्त एवं डॉ. राजेश सिंह ने तथा धन्यवाद ज्ञापन वनस्पति विज्ञान विभाग के डॉ. परीक्षित सिंह ने किया।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति सप्ताह के अन्तर्गत प्रश्नोत्तरी एवं निबन्ध प्रतियोगिता

दिनांक 06.02.2021 को पंडित दीन दयाल उपाध्याय स्मृति सप्ताह के अन्तर्गत प्रश्नोत्तरी एवं निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन नोडल स्तर पर दिग्विजनाथ पी.जी. कॉलेज गोरखपुर में संपन्न हुआ।

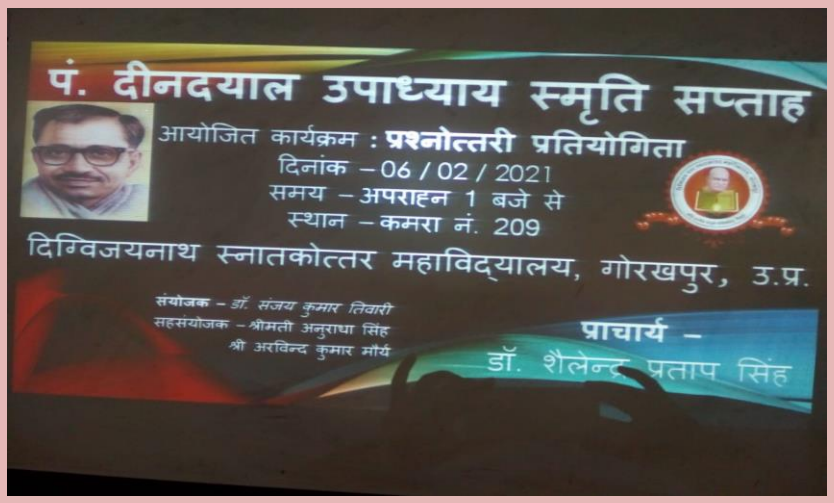

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान नेहा श्रीवास्तव, बी.एड. द्वितीय वर्ष, सरस्वती देवी पी. जी. कॉलेज, नंदापार एवं द्वितीय स्थान कनिष्का, बी. सी.ए. प्रथम वर्ष, दिग्विजयनाथ पी. जी. कॉलेज और तृतीय स्थान आराधना सिंह, बी.एड. द्वितीय वर्ष, विमल महिला महाविद्यालय, पादरी बाजार ने प्राप्त किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. संजय कुमार तिवारी थे।

इसी क्रम में निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें नौ महाविद्यालयों से कुल 25 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। इसमें प्रथम स्थान प्रतिमा प्रजापति, बी.एड. द्वितीय वर्ष, विमल महिला महाविद्यालय, गोरखपुर द्वितीय स्थान प्रशांत कुमार दूबे, बी.एड. प्रथम वर्ष, दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर व तृतीय स्थान संयुक्त रूप से आरूषि यादव, बी.ए. तृतीय वर्ष, पंडित हरिसहाय पी.जी. कालेज, जैती बेलघाट व सुम्बुल खान, बी.एड. द्वितीय वर्ष, विमल महिला महाविद्यालय, गोरखपुन ने प्राप्त किया। निबन्ध प्रतियोगिता की संयोजक श्रीमती निधि राय थी प्रभारी, शिक्षाशास्त्र स्नातकोत्तर विभाग।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले सभी महाविद्यालयों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

रोवर्स और रेंजर्स का सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

दिग्विजयनाथ पी.जी कॉलेज गोरखपुर के रोवर्स और रेंजर्स के तत्वावधान में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों के अंदर जागरूकता पैदा करने के लिए अभियान चलाया गया । इस अभियान की शुरुआत हरिओम नगर तिराहा और कचहरी चौक से हुई।

महाविद्यालय के रोवर्स ने कचहरी चौराहे पर दो पहिया तथा चार पहिया वाहन चालकों को पर्चे आदि बांटकर सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।

इस दौरान महाविद्यालय के रोवर्स लीडर डॉ संजीत कुमार सिंह, रेंजर्स लीडर जागृति विश्वकर्मा, जिला प्रशिक्षण आयुक्त श्री अजय कुमार सिंह ,रोवर्स अंकित, वैभव, अभय ,प्रवीण ,अभिनय तथा रेंजर्स सावित्री ,मंजीता सोनम आदि उपस्थित रहे ।

दो दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव

दिनांक 08 फरवरी 2021 को महाविद्यालय के प्लेसमनेंट सेल द्वारा आयोजित दो दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव में आज 253 अभ्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्लेसमेंट ड्राइव को तीन सत्रों में विभाजित किया गया। प्रथम सत्र में अभ्यर्थियों का असेसमेंट टेस्ट लिया गया जिस में अभ्यर्थियों ने ऑफलाइन परीक्षा दी। इसके बाद अभ्यर्थियों की स्क्रीनिंग द्वितीय सत्र में इमार्टिकस लर्निंग के एच.आर द्वारा की गई और अंत में तृतीय सत्र में श्री आनंद राठी डायरेक्टर, आनंदराठी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा अभ्यर्थियों का ऑनलाइन साक्षात्कार लिया गया। जिसमें कुल 20 अभ्यर्थियों को रिलेशनशिप मैनेजर पद हेतु चुना गया। इस प्लेसमेंट ड्राइव का प्रतिनिधित्व इमार्टिकस लर्निंग के ब्रांच मैनेजर श्री अभिषेक कुमार और बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर श्री सत्य प्रकाश जी ने किया।

अकादमिक लेखा परीक्षण : वाणिज्य विभाग

दिनांक 08 फरवरी 2021 को दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर के वाणिज्य विभाग में अकादमिक लेखा परीक्षण का कार्य डॉ. विश्वजीत सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, इस्लामिया कॉलेज ऑफ कामर्स द्वारा सम्पन्न किया गया। जिसमें विभाग के शिक्षक डॉ. संजीव कुमार सिंह, डॉ. संजय कुमार त्रिपाठी, डॉ. चण्डी प्रसाद पाण्डेय, डॉ. अमरनाथ तिवारी, श्री दीपक साहनी तथा श्रीमती रानी द्विवेदी उपस्थित थी।

हरबेरियम व्यवस्था : वनस्पति विभाग

दिनांक 9 फरवरी 2021 को महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के बी.एससी. द्वितीय वर्ष, वनस्पति विज्ञान के विद्यार्थियों द्वारा अंतरर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार हरबेरियम तैयार किया गया। इस कार्य में उनका मार्गदर्शन डॉ. परीक्षित सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर वनस्पति विज्ञान एवं बी.एससी. तृतीय वर्ष के छात्रों द्वारा किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अश्वनी कुमार मिश्र, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, गोरखपुर ने अपने उद्‌बोधन में हरबेरियम के महत्व पर प्रकाश डाला तथा शिक्षण में इसके महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने स्नातक स्तर पर विद्यार्थियों के इस मानक पूर्ण प्रयास की प्रशंसा की।

प्राचार्य डॉ शैलेंद्र प्रताप सिंह ने विद्यार्थियों से कहा कि इस कार्य में संसाधन की कमी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने विद्यार्थियों की रुचि एवं प्रयासों को सराहनीय बताया। आभार ज्ञापन डॉ परीक्षित सिंह ने किया।

नैक प्रत्यायन : एक दिवसीय कार्यशाला

दिनांक 10 फरवरी 2021 को महाविद्यालय में आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन प्रकोष्ठ, आई.क्यू.एसी. द्वारा 'नैक प्रत्यायन' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. राजेश सिंह, माननीय कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर थे। उन्होंने महाविद्यालय के शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में सुधार की बहुत अधिक आवश्यकता है। शिक्षा में गुणवत्ता आज महत्वपूर्ण विषय बन चुका है, जिसका क्षेत्र बहुत ही व्यापक है। अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहन प्रदान करने के साथ ही साथ पाठ्यक्रम को लचीला व अन्तरानुशासनिक बनाने की दिशा में विशेष प्रयास करने की आवश्यकता है।

प्रो. सिंह ने नैक की तैयारी में कमजोर पहलू पर विशेष रूप से ध्यान देने की बात कही। सूचना को (इन्फार्मेशन) हथियार और आधार सामग्री (डेटा) को भविष्य बताते हुए नैक एसेसमेन्ट हेतु सातों क्राइटेरिया पर विचार विमर्श किया तथा महाविद्यालय को उत्कृष्ट रैंकिंग हेतु शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम का आरम्भ महाविद्यालय के प्राचार्य तथा नैक स्टीयरिंग कमेटी की संयोजक डॉ. शशि प्रभा सिंह द्वारा मुख्य अतिथि को पुष्प. गुच्छ एवं अंगवस्त्र प्रदान कर मुख्य अतिथि के स्वागत के साथ किया गया। कार्यक्रम का संचालन तथा मुख्य अतिथि का परिचय आई.क्यू.ए.सी. समन्वयक डॉ. राजशरण शाही ने तथा आभार ज्ञापन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा किया गया।

शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन

दिनांक 10 फरवरी 2021 को महाविद्यालय में शिक्षक–अभिभावक सम्मेलन का आयोजन हुआ। जिसमें **विशिष्ट अतिथि श्री भारतेन्दु पाण्डेय** थे उन्होंने इस सम्मेलन पर अपने विचार रखते हुए कहा कि मैं इस महाविद्यालय का विद्यार्थी रहा हूँ। एक विद्यार्थी की पहचान उसके शिक्षण संस्था से बनती है और अभिभावक की पहचान उसके पाल्य से होता है। आज जिस तरह से शिक्षा का व्यावसायीकरण हो रहा है वही यह संस्था सामाजिक सरोकार को प्राथमिकता देते हुए विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण के साथ ही एक अनुशासित नागरिक तैयार करने में अग्रणी भूमिका का निर्वहन करते हुए विद्यार्थियों के भावी जीवन के निर्माण करने में तत्पर है। **कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह** ने अभिभावकों तथा विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हर संस्था के कई घटक होते हैं। यदि हम उन घटकों के विचारों के गुणों को ग्रहण करते है तो उससे हमारा तथा हमारी संस्था का विकास होताहै। इसी क्रम में शिक्षक–अभिभावक एक सम्मेलन एक घटकहै। शिक्षा में ज्ञान के साथ–साथ संस्कार भी सम्मिलित होता है जिससे चरित्रवान नागरिक तैयार होत हैं। अभिभावकों को पाल्य के बारे में सदैव जागरूक रहने की बात की। **कार्यक्रम का संचालन शिक्षक–अभिभावक समिति के संयोजक डॉ. अखण्ड प्रताप सिंह** ने की। प्रस्ताविकी डॉ. चण्डी प्रसाद पाण्डेय ने प्रस्तुत की तथा आभार ज्ञापन डॉ. राजेश सिंह द्वारा किया गया।

पुरातन छात्र परिषद की वार्षिक बैठक

दिनांक 11 फरवरी 2021 गोरखपुर। महाविद्यालय में पुरातन छात्र परिषद की वार्षिक बैठक प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। उक्त अवसर पर संचालन समिति का भी गठन किया गया जिसमें संचालन प्रमुख डॉ. राजेश मल्ल, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर तथा सह–संचालन प्रमुख डॉ. प्रवीन कुमार सिंह, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर को नामित किया गया। सर्वप्रथम पुरातन छात्रों ने अपना अपना परिचय दिया जिसमें 1969 से 2020 तक के लगभग 140 पुरातन विद्यार्थी उपस्थित रहें। इसके पश्चात नई कार्यकारणी के पदाधिकारियों ने अपने अपने विचार रखे।

कार्यकारणी अध्यक्ष श्री कृष्ण सिंह प्रवक्ता नीना थापा इंटर कालेज ने कहा कि किसी भी सफलता के तीन सूत्र होते हैं अनुशासन, सकारात्म सोच, और विश्वास। दिग्विजय नाथ पी जी कालेज अपने विद्यार्थियों को अपने इस मंत्र से अभिसिंचित करता है। पुरातन छात्र परिषद किसी संस्था की ताकत होती है जिससे परिणाम मिलता है। यह संस्था हमारी प्रगति की सीढ़ी है।

पुरातन छात्र परिषद समिति के संयोजक डॉ. धीरेन्द्र सिंह ने उपस्थित पुरातन विद्यार्थियों तथा अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापन किया। उक्त कार्यक्रम में डिजिटल माध्यम से श्री ज्ञान प्रकाश सिंह, ए. डी.जे., मेरठ तथा राजेश सिंह, उप–निदेशक, समाज कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश ने भी सहभाग किया।

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया शिविर के द्वितीय दिवस पर

महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के चारों इकाईयों का सप्त दिवसीय शिविर आयोजन के द्वितीय दिवस पर प्रातः सत्र में प्रार्थना सभा एवं योगासन के साथ प्रारम्भ हुआ। ताईक्वाण्डो प्रशिक्षक आदित्य कुमार जायसवाल ने दिया। इसके उपरान्त निबन्ध प्रतियोगिता राष्ट्रीय यातायात सड़क सुरक्षा विषय पर आयोजित हुई। जिसमें योगेश पाण्डेय बी.ए. प्रथम वर्ष (प्रथम स्थान), आकाश श्रीवास्तव, बी.ए. द्वितीय वर्ष (द्वितीय स्थान) एवं प्रीति भारती, बी.ए. द्वितीय वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में रोशनी सिंह चौहान, बी.ए. प्रथम वर्ष

(प्रथम स्थान), सागर चौधरी, बी.ए. प्रथम वर्ष (द्वितीय स्थान), एवं नम्रता, बी.ए. द्वितीय वर्ष को (तृतीय स्थान) प्राप्त हुआ। बौद्धिक सत्र में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. केशव सिंह ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्‌देश्य समाज के सेवा के द्वारा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का सर्वागींण विकास करना होता है। शिक्षा के द्वारा समाज सेवा एवं समाज सेवा के द्वारा शिक्षा का प्रसार करना होता है। अध्यक्षीय उद्‌बोधन करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं को "**मैं नहीं बल्कि आप**" की भावना के साथ जुड़कर काम करना चाहिए। यह मंच आपको सजग नागरिक बनाने का कार्य करता है। कार्यक्रम का संचालन श्री सुरेन्द्र चौहान एवं आभार ज्ञापन वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रूक्मिणी चौधरी ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय कुमार त्रिपाठी, डॉ. चण्डी प्रसाद पाण्डेय, श्री भगवान सिंह आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के तृतीय दिवस पर कार्यक्रम

सप्तदिवसीय शिविर के तीसरे दिन प्रार्थना सभा, योगासन के साथ प्रारम्भ हुआ। प्रशिक्षक के रूप में स्वयंसेविका आराध्या पटेल के द्वारा योगासन कराया गया। इसके पश्चात् मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें कुल 10 स्वयंसेविकाओं ने इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। प्रथम स्थान–मनोरमा शुक्ला एम. काम. प्रथम व गरिमा मिश्रा बी.ए.तृतीय, द्वितीय स्थान–प्रीति शर्मा एम.एम.प्रथम, तृतीय स्थान–शिवांगी जायसवाल बी.ए.द्वितीय एवं शान्तेश्वरी मिश्रा को प्राप्त हुआ। निबन्ध प्रतियोगिता–जागरूक मतदाता विषय पर आयोजित हुआ जिसमें प्रथम स्थान–ज्योति शर्मा बी.ए.प्रथम, द्वितीय स्थान–राहुल कुमार बी.ए.द्वितीय एवं तृतीय स्थान–योगेश कुमार पाण्डेय को प्राप्त हुआ।

बौद्धिक सत्र में दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर के मनोविज्ञान विभाग के असिस्टेन्ट प्रोफेसर श्री विवेक शाही ने व्यक्तित्व विकास विषय पर सारगर्भित व्याख्यान देते हुए कहा कि हमें अपने व्यक्तित्व को पहचानने के लिए स्वाट एनालसिस का उपयोग करना चाहिए। अन्दर क्या

शक्ति है, उसको पहचानना चाहिए, उसी के अनुरूप निर्णय लेना चाहिए साथ ही साथ हमारे अन्दर कौन–कौन सी कमजोरियाँ विद्यमान हैं, उन कमजोरियों को दूर करने के लिए प्रयास करना चाहिए। तभी आप अपने व्यक्तित्व में निखार ला पायेंगे। बहुत सारे अवसर आपके सामने हैं उन अवसरों को पहचानने की क्षमता विकसित करनी चाहिए और उन अवसरों का अपने जीवन के लिए सदुपयोग करना चाहिए। इस कार्य को करने में तमाम रूकावटें/बाधाएँ उत्पन्न होंगी उन बाधाओं से निपटने के लिए आप को चुनौती के रूप में स्वीकार करना चाहिए तभी आप अपने व्यक्तित्व का विकास करके एक सफल नागरिक के रूप में समाज को कुछ देने में सक्षम होंगे।

कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय कुमार त्रिपाठी ने तथा धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रुक्मिणी चौधरी ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी श्री सुरेन्द्र चौहान, डॉ. चण्डी प्रसाद पाण्डेय आदि उपस्थित थे।

बी.एड. विभाग में नवागत छात्र परिचय एवं स्वागत कार्यक्रम का आयोजन

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने जीवन यात्रा के माध्यम से समय की महत्ता समझाते हुए लक्ष्य के प्रति सचेत किया एवं जीवन के तीन सूत्रों पर जोर डाला। वे तीन सूत्र है जो खुद को जाने, खुद को बताए, और योजना बनाए। कार्यक्रम के अंत में बी.एड. विभाग द्वारा नवागत छात्र परिचय एवं स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मॉ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर सरस्वती वन्दना एवं स्वागत गीत द्वारा किया गया। आभार ज्ञापन डॉ सुभाष चंद्र द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम मे डॉ गीता सिंह, डॉ सरोज शाही, डॉ राज शरण शाही, डॉ शुभ्रा श्रीवास्तव, डॉ सुभाष चन्द्र, एवं समस्त छात्र उपस्थित रहे।

इसके उपरांत बी.एड. द्वितीय वर्ष के छात्रों ने विभाग में नवागत छात्र परिचय एवं स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया । बी.एड. द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापकों–छात्राध्यापिकाओं द्वारा एक गेम का आयोजन किया गया जिसके आधार पर प्रवीण कुमार पांडेय को मिस्टर फ्रेशर एवं सुप्रिया मणि त्रिपाठी को मिस फ्रेशर चुना गया ।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर : चौथा दिन

सप्तदिवसीय शिविर के चौथे दिन प्रार्थना सभा, योगासन के साथ प्रारम्भ हुआ। प्रशिक्षक के रूप में स्वयंसेविका आराध्या पटेल के द्वारा योगासन कराया गया। इसके पश्चात् महाविद्यालय से मतदाता जागरूकता हेतु प्रभात फेरी निकाली गयी। प्रभातफेरी जी. डी.ए.काम्प्लेक्स से होते हुए मुख्य डाकघर के रास्ते गणेश चौराहा से चेतना तिराहा होते हुए हरिओम तिराहा से महाविद्यालय में वापस आकर सभा के रूप में तब्दील हो गयी। इस दौरान चारों इकाईयों के 200 से अधिक स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं ने प्रतिभाग किया। रंगोली एवं स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित हुई। जिसमें प्रथम स्थान–मनोरमा शुक्ल एम.काम.प्रथम, गरिमा मिश्रा, बी.ए.तृतीय, द्वितीय स्थान–प्रीति शर्मा एम.ए. प्रथम, अवन्तिका, तृतीय स्थान–नम्रता बी.ए.द्वितीय, ज्योति साहनी बी.ए.द्वितीय प्राप्त किया।

बौद्धिक सत्र में डॉ. रश्मि कौशल, पी.एचडी. इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, यूथ फार ग्लोबल पीस एण्ड ट्रान्सफारमिशन दिल्ली संस्था से समाज एवं युवाओं के उत्साहवर्द्धन हेतु जुड़ी हुई है। इन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं से संवाद स्थापित करते हुए कहा कि आप सभी सपने अवश्य देखते होंगे। सपनों को साकार करने के लिए टाईम मैनेजमेन्ट एवं माईन्ड मैनेजमेन्ट बहुत ही आवश्यक है। टाईम मैनेजमेन्ट आपके अभिभावक द्वारा किया जा सकता है लेकिन माईन्ड मैनेजमेन्ट आपको स्वयं करना होगा आपका दिमाग जितना स्थिर होगा, संतुलित होगा उतना ही अधिक टाईम मैंनेजमेन्ट करने में सक्षम होंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. राजशरण शाही, एसोसिएट प्रोफेसर, बी.एड.विभाग ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना नकारात्मकता पर विजय पाने का एक माध्यम है। स्वतः को जानो, स्वतः को पहचाना स्वतः को साधने वाला ही कुछ भी कर सकता है। बेहतर स्वयंसेवक वह होता है जो अच्छाई में विश्वास करता है।

कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय कुमार त्रिपाठी ने तथा धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रुक्मिणी चौधरी ने किया।

पुलवामा शहीदों के श्रद्धान्जलि कार्यक्रम में सर्जिकल स्ट्राइक का नाट्य मंचन

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के द्वारा पुलवामा अटैक के ब्लैक डे के अवसर पर सर्जिकल स्ट्राइक का नाट्य मंचन किया गया। जिसका निर्देशन आकाश श्रीवास्तव बी. ए. द्वितीय वर्ष, लेखन विवेक मिश्रा बी.ए. प्रथम वर्ष, संगीत जसप्रित कौर बी.ए. प्रथम वर्ष ने किया तथा नाट्य मंचन प्रस्तुति मनोज विश्वकर्मा, आदर्श सिंह, श्रुति सिंह, यशवन्त , नीखिल शर्मा, चॉदनी व अभिनव एवं अन्य विद्यार्थियों द्वारा किया गया। इस नाट्य मंचन के माध्यम से विद्यार्थियों ने पुलवामा अटैक में आतंवादियों की कायरता एवं सर्जिकल स्ट्राइक में हमारे बहादुर सैनिकों की शौर्य को देखकर दर्शक दीर्घा में बैठे लोग रोमांचित हो उठे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ. अश्वनी कुमार मिश्र जी का सानिध्य प्राप्त हुआ। उन्होंने इस उत्कृष्ट नाट्य मंचन की प्रशन्सा की तथा उनको वधाई देते हुए उनका उत्साह वर्द्धन किया। नाट्य मंचन के माध्यम से ब्लेक डे के अवसर पर पुलवामा शहीदों को सच्ची श्रद्धान्जलि अर्पित की गयी।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के पाँचवें दिन

सप्तदिवसीय विशेष शिविर ; पाँचवें दिन प्रातः सत्र में प्रार्थना सभा एवं योगसान के साथ प्रारम्भ हुआ।

बौद्धिक सत्र में उच्च शिक्षा अधिकारी गोरखपुर डॉ. अश्वनी कुमार मिश्रा द्वारा पोस्ट कोविड काल में उत्तरदायित्व पूर्ण स्वस्थ जीवन शैली के लिए स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं को विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से परिचित कराया।

पुलवामा स्ट्राइक ब्लैक डे के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं द्वारा एक बहुत मार्मिक नुक्कड़/नाटक प्रस्तुत कर मुख्य अतिथि सहित उपस्थिति लोगों को भाव विभोर कर दिया गया। यह नाटक सर्जिकल स्ट्राइक पर आधारित था।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के छठवें दिन

सप्तदिवसीय शिविर के छठवें दिन प्रातः सत्र में प्रार्थना सभा एवं योगासन सम्पन्न हुआ इसके पश्चात भाषण प्रतियोगिता– जागरूक मतदाता विषय पर हुआ जिसमें शाम्भवी पाण्डेय प्रथम स्थान, राहुल कुमार द्वितीय स्थान एवं यशवन्त मल्ल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मस्कट प्रतियोगिता में रोशनी सिंह चौहान ने प्रथम स्थान, सागर चौधरी ने द्वितीय स्थान एवं कुमारी प्रीति ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

द्वितीय बौद्धिक सत्र में गुरु गोरखनाथ चिकित्सालय गोरखपुर के वरिष्ठ कैंसर रोग चिकित्सक डॉ. सी.एम.सिन्हा ने बेहतर स्वास्थ के लिए स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं से संवाद स्थापित करते हुए कहा कि विभिन्न बीमारियाँ आपके स्वास्थ के खराब कर देती हैं। स्वस्थ जीवन शैली के लिए आपको कम से कम प्रतिदिन 45 मिनट का योगासन करना चाहिए। मुख कैंसर एवं गले के कैंसर को पी.पी. टी(पावर प्वाइंट प्रजेन्टेशन) के माध्यम से बाताया कि यह बीमारी तम्बाकू सेवन, गुटका सेवन, बीड़ी के सेवन, सिगरेट के सेवन, अत्यधिक अल्कोहल के उपयोग के कारण मुख में गाँठ बन जाती है अथवा जबड़े से मास निकल जाता है जिसके कारण खून आने लगता है। इस कैंसर रोग का आप्रेशन करके अथवा कीमोथिरेपी के माध्यम से उपचार किया जाता है। साथ ही साथ विभिन्न बीमारियों जैसे टायफाइड, ज्वाइनडिश, हार्ट अटैक, ब्लड प्रेशर, शुगर, हेपेटाइटिस, वर्ड फ्लु आदि के लक्षण के बारे में बहुत ही सारगर्भित तरीके से उन्होंने विषय रखा एवं आवाहन किया कि आप स्वयंसेवक/स्वयंसेविका इन लक्षणों के बारे में जब भी अभिग्रहित क्षेत्र में जाए, गॉव जाए तो ऐसे लक्षण मिलने पर उनको उपचार की सलाह अवश्य दें। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि डॉ. सिन्हा द्वारा बताये गये बीमारियों के लक्षणों की पहचान करने की आज के समय में आवश्यकता है कि आप स्वयंसेवक/स्वयंसेविका जब भी क्षेत्र में कार्य कर रहे हो समाज सेवा को मिशन के रूप में लेते हुए ऐसे लोगों का मदद करने का कार्य करें। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय कुमार त्रिपाठी एवं आभार ज्ञापन डॉ रुक्मिणी चौधरी ने किया।

रसायनशास्त्र, गणित विभाग तथा शिक्षाशास्त्र विभाग में विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन

जल के शोधन विषय पर रसायनशास्त्र विभाग द्वारा एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. बलिराम, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, बनारस थे। उन्होंने बताया कि आर.ओ. द्वारा जल को शुद्ध करने हेतु नार्मल ध्रुवीय वर्णलेखन विधि एवं रिवर्स ध्रुवीय वर्णलेखन विधियों के प्रयोग के बारें में बताया। एन.पी.सी. और आर.पी.सी. का लिक्विड–लिक्विड क्रोमैटोग्राफी में उपयोगिता के बारे में भी बताया।

कार्यक्रम का संचालन रसायनशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित विशिष्ट व्याख्यान की प्रभारी डॉ0 (श्रीमती) शशिप्रभा सिंह ने किया। कार्यक्रम का प्रारम्भ में एम.एससी रसायनशास्त्र कि छात्रा अन्जू पाठक ने सरस्वती वन्दना प्रस्तुत की एवं मानवी सिंह ने व पुष्पगुच्छ देकर अतिथि महोदय का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के अन्त में रसायनशास्त्र विभाग के डॉ0 मनीष श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि एवं समस्त प्रतिभागियों के प्रति आभार ज्ञापन किया। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर के गणित विभाग के तत्वावधान में एक व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता प्रो. सुधीर श्रीवास्तव, गणित विभाग, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के थे। उन्होंने गणित की व्यावहारिक जीवन में उपयोगिता विषय पर एक अतिथि व्याख्यान दिया। गणित की व्यावहारिक जीवन में उपयोगिता पर चर्चा करते हुए कहा कि गणित वह भाषा है जिसमें ईश्वर ने सारा संसार रचा है। उन्होंने गणित में फंक्शन द्वारा कक्षा को सुचारू संचालन के लिये कांस्टेंट मैपिंग को आवश्यक बताया। गणित में वन–वन और वन टू को व्यावाहारिक जीवन से जोड़ते हुए सबका साथ सबका विकास को गणितीय भाषा में समझाया। अधिक कोण व न्यूनकोण को छात्रों के दूरदर्शिता को जोड़ते हुए बौद्धिक धरातल को समृद्ध करना बताया। इसके साथ ही प्राचीन काल में गोस्वामी तुलसीदास जी द्वारा रचित रामचरित मानस में चौपाई तथा दोहों में गणित के अनुप्रयोग को भी स्पष्ट किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने विद्यार्थियों को जीवन में गणित की व्यावहारिक उपयोगिता के महत्व को बताते हुए समय के परिपालन पर जोर दिया। उक्त कार्यक्रम में डॉ सूरज शुक्ल, डॉ कीर्ति कुमार जायसवाल, श्री रामपाल मौर्य के साथ ही बी.एससी. एवं एम.एस.सी के छात्र/छात्राएँ भी उपस्थित रहें।

इसी क्रम में शिक्षाशास्त्र विभाग में 'बुद्धि की संकल्पना एवं मापन' विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता डॉ. विनोद कुमार श्रीवास्तव, अध्यक्ष शिक्षाशास्त्र विभाग डी.ए.वी. पी.जी.कालेज गोरखपुर रहें। प्रो. श्रीवास्तव ने कहा कि बुद्धि ही मानव को पशु से अलग करती है। बुद्धि नई परिस्थिति में समायोजन, सीखने की योग्यता एवम् अमूर्त चिंतन की योग्यता है। वास्तव में वंशानुक्रम एवं वातावरण ही बुद्धि को प्रभावित करने वाले ही कारक है। विभिन्न मनोवैज्ञानिकों ने वंशानुक्रम एवं वातावरण के सापेक्षिक महत्व पर शोध किया है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने किया तथा आभार ज्ञापन डॉ रूक्मिणी चौधरी ने किया।

सप्तदिवसीय शिविर का समापन रंगारंग कार्यक्रम के साथ

महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के चारों इकाईयों का सप्त दिवसीय शिविर समापन दिवस के रूप में मनाया गया। प्रातः सत्र प्रार्थना सभा एवं योगासन के साथ प्रारम्भ हुआ। योगासन प्रशिक्षक के रूप में ताईक्वाण्डो प्रशिक्षण उपासना सिंह ने दिया। इसके उपरान्त वसन्त पंचमी के पावन दिन पर ज्ञान की देवी मॉ शारदे का विधिवत पूजन–अर्चन हुआ।

समापन अवसर पर बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, कार्यक्रम की राष्ट्रीय कार्यकारणी की माननीय सदस्य एवं गोरखपुर की पूर्व महापौर श्रीमती अंजू चौधरी ने स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं से संवाद स्थापित करते हुए कहा कि लड़कियों को संस्कारवान बनाने के साथ–साथ लड़कों को भी संस्कारवान बनाना होगा।

कार्यक्रम के अन्त में स्वयंसेवक/स्वयं सेविकाओं द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। सप्ताह भर आयोजित हुए कार्यक्रमों की रूपरेखा वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रुक्मिणी चौधरी ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संजय कुमार त्रिपाठी एवं आभार ज्ञापन डॉ. चण्डी प्रसाद पाण्डेय ने किया।

बसंत पंचमी पूजन एवं बी.एससी गणित द्वारा 'वोकल फार लोकल' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

दिनाक 16 फरवरी 2021 गोरखपुर। **बसंत पंचमी** के पावन अवसर पर बी.एससी. गणित एवं बी. एड. के छात्र/छात्राओं द्वारा दोनों परिसरों में बसन्त पंचमी पूजन व महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में विज्ञान गणित वर्ग के विद्यार्थियों द्वारा वोकल फॉर लोकल विषय पर संगोष्ठी व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की पहली कड़ी में विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। जिसमें छात्र–छात्राओं ने गीत, नृत्य, सामूहिक गीत व नृत्य, भाषण आदि विधा में एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी।

डॉ संजय कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, प्राकृतिक चिकित्सा, शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान, प्रयागराज मुख्य वक्ता थे। उन्होंने वोकल फॉर लोकल विषय पर बोलते हुए कहा कि कोरोना जैसी महामारी ने देश और दुनिया के अधिकतर देशों को अपनी चपेट में ले लिया, जिसका प्रभाव इन सभी देशों की सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक स्थिति पर भी पड़ा। उन्होंने कहा कि कोरोना से पहले हम प्राकृतिक चिकित्सा पर विश्वास न करते हुए पाश्चात्य पद्धति की ओर ज्यादा आकर्षित थे। लेकिन कोरोना ने हमें हमारी योग व प्राकृतिक चिकित्सा के महत्व को समझा दिया। पूरी आज दुनिया इसे अपना रही है और भारत फिर से अपनी पहचान विश्वगुरु के रूप में स्थापित करने की ओर अग्रसर है।

डॉ परीक्षित सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग ने विद्यार्थियों को इस आयोजन हेतु बधाई दी और इस प्रकार के सांस्कृतिक और राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम की सराहना की।

कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया और कहा इस शैक्षिक संस्थान की नींव एक पौधे के रूप में ब्रम्हलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज ने आज से 50 वर्ष पूर्व रखी थी जो आज एक बड़े वटवृक्ष के रूप में स्थापित है। सभी शिक्षक, छात्र/छात्राओं द्वारा किये गए इस अद्भुत आयोजन की सराहना करते हैं।

कार्यक्रम का संचालन विज्ञान संकाय तृतीय वर्ष के छात्र अर्पित त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक डॉ सूरज शुक्ला, डॉ कीर्ति जायसवाल, डॉ नितेश शुक्ल ,डॉ अजेय तिवारी, डॉ अनुराधा सिंह सहित विज्ञान संकाय के विद्यार्थी उपस्थित रहें।

महाराज सुहेल देव की जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन

आज दिनाँक 16 फरवरी 2021 को महाविद्यालय के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में अपराह्न 01.00 बजे **राजा सुहेल देव की जयंती** के अवसर पर छात्र परिषद द्वारा एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसके मुख्य वक्ता डॉ पवन कुमार पाण्डेय, असिस्टेंट प्रोफेसर, कम्प्यूटर विज्ञान ने कहा कि भारतीय इतिहास अनेकों राजाओं की वीर गाथाओं से अटा पड़ा है। देश में सम्राट अशोक से लेकर कई छोटे–छोटे राज्यों के राजा हुए हैं 11वीं सदी के इस प्रतापी राजा का जिक्र कई स्थानीय लोक कथाओं में है। यही कारण है कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में राजा सुहेल देव को वीर पुरुष का दर्जा दिया गया है। 11वीं सदी में महमूद गजनवी के भारत पर आक्रमण के समय सालार मसूद गाजी ने बहराइच पर आक्रमण किया। लेकिन वहां के राजा सुहेलदेव से बुरी तरह पराजित हुआ और मारा गया। इतिहास के पन्नों में राजा सुहेलदेव का इतिहास, भले ही दर्ज न हो लेकिन लोक–कथाओं में राजा सुहेलदेव का जिक्र होता रहा है और ऐसा हुआ है कि इतिहास के दस्तावेजों की तरह लोगों के मन में उनकी वीर पुरुष के तौर पर छवि बनी हुई है।

इस कार्यक्रम का संचालन छात्र परिषद के प्रभारी श्री भगवान सिंह ने व आभार ज्ञापन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने किया।

समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एवं अधिकार विषय पर विशिष्ट व्याख्यान

दिनांक 18.02.2021 महाविद्यालय में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की विशिष्ट जानकारी एवं अधिकार (अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अनुसूचित जनजाति) विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें विशिष्ट वक्ता के रूप में श्री आशुतोष पाण्डेय, अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी गोरखपुर थे। इस अवसर पर

उन्होंने छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से सरकार की नीतियों, योजनाओं को सीधे छात्रो तक पहुॅचाने में सहायता मिलती है।

कार्यक्रम में उपस्थित श्री सर्वजीत सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी/कन्या सुमंगला अधिकारी गोरखपुर ने कन्या सुमंगला योजना के बारे में विस्तार से चर्चा किया।

श्री नितिन सिंह, अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने बताया कि ओ.बी.सी. वर्ग के इण्टर पास विद्यार्थी obccomputertraining.upsdc.gov.in पर आवेदन कर ओ लेवल एवं ट्रिपल सी कोर्स हेतु निःशुल्क कम्प्यूटर ट्रेनिंग प्राप्त कर सकते हैं।

मुख्य वक्ता श्री अलख निरंजन मिश्र, जिला समाज कल्याण अधिकारी, गोरखपुर ने अपने सम्बोधन में कहा कि विद्यार्थी अपनी प्रतिभा को पहचान कर अपनी रूचि की दिशा में कार्य करें तो यह उनके लिए बेहतर साबित होगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. सत्यपाल सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग ने कहा कि सरकार की योजनाओं के सम्बन्ध में विद्यार्थियों तक विभिन्न योजनाओं की जानकारी पहुॅचाना एवं विद्यार्थियों के शंकाओं का समाधान एक सराहनीय पहल है।

कार्यक्रम संचालन डॉ. राकेश कुमार ने तथा आभार ज्ञापन कार्यक्रम के संयोजक डॉ. रविन्द्र कुमार गंगवार ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना एवं आर.टी.ओ. विभाग के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम का आयोजन

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के चारों इकाईयों के मीराबाई, महाराणा प्रातप, गोरखनाथ एवं सुभाष के स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं को सड़क सुरक्षा हेतु इसका कार्यक्रम में संवाद स्थापित करने के लिए कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

श्री विनय कुमार सिंह ए.आर.टी.ओ. ने अपने संबोधन में कहा कि जिन स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं का उम्र 18 वर्ष पूरी हो चुकी है, उन्हें अपना लाइसेन्स बनवाकर ही वाहन चलाना चाहिए। छात्र–छात्राओं को जागरूक करने के लिए https://youtu.be/4L5Qvk-9gV4 लिंक उपलब्ध कराया, जिसको स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं को भेज कर उनको जागरूक करने के लिए सहयोग करने की अपील किया।

श्री एम. श्रीवास्तव ए.आर.टी.एस ने उपस्थित छात्र–छात्राओं को सड़क सुरक्षा हेतु शपथ दिलाया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रूक्मिणी चौधरी ने एवं आभार ज्ञापन डॉ. संजय कुमार त्रिपाठी ने किया।

नाभिकीय शस्त्र एवं भारतीय सुरक्षा विषय पर विशिष्ट व्याख्यान

दिनांक 19.02.2021 को महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा ''नाभिकीय शस्त्र एवं भारतीय सुरक्षा'' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि प्रो. विनोद कुमार सिंह, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर थे। प्रो. विनोद सिंह ने छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि नाभिकीय शस्त्र का उदय 1939 मेघटन परियोजना से प्रारम्भ होता है। तथा वास्तविक रूप में 16 जुलाई 1945 को अमेरिका ने आल्मोगोरडा नामक फायरिंग रेंज में पहला नाभिकीय परीक्षण करके नाभिकीय युग का सूत्रपात किया। किसी को भी भयभीत करने के लिए तीन बातें महत्वपूर्ण होती हैं। सूचना, क्षमता एवं विश्वसनीयता अमेरिका ने इसी को प्राप्त करने के लिए परमाणुबम का प्रयोग किया था।

उक्त क्रम में विभाग के छात्र–छात्राओं द्वारा निर्मित सैन्य मॉडल का जनजागरूकता प्रदर्शनी भी किया गया। जिसमें 70 छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान गलवान घाटी पर पल्लवी सिंह, आशुतोष राव और अनुभव मिश्रा के ग्रुप को, द्वितीय स्थान डीआरडीओ पर आशुतोष कुमार मिश्र को तथा राफेल के मॉडल पर तृतीय स्थान पूजा कुमारी एवं सपना को प्राप्त हुआ।

रोवर्स-रेंजर्स की पाँच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन

दिनांक 19.02.2021 को महाविद्यालय गोरखपुर में रोवर्स/ रेंजर्स का पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन जिला मंडलायुक्त भारत स्काउट गाइड एवं प्रधानाचार्य महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज, गोरखपुर डॉ. अरुण कुमार सिंह जी के द्वारा किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम स्काउट गाइड झंडारोहण तथा स्काउट गाइड प्रार्थना एवं स्काउट गाइड झंडा गीत के साथ हुआ। सम्मानित अतिथियों ने झंडे को सलामी दिए। उद्घाटन कार्यक्रम में सभी सदस्यों का स्वागत रोवर्स/रेंजर्स द्वारा स्कार्फ पहनाकर किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य नियंता डॉ. आर.पी. यादव जी ने किया। इस अवसर पर जिला प्रशिक्षण आयुक्त श्री अजय कुमार सिंह जी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ अरुण कुमार सिंह ने रोवर्स/रेंजर्स प्रशिक्षण हेतु प्रमुख बातों पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपने उद्बोधन में बताया कि रोवर्स –रेंजर्स मुख्य रूप से सेवा कार्य को प्राथमिकता देता है। यह सेवा तीन रूपों व्यक्तिगत, परिवार, तथा देश सेवा के रूप में होता है।

इतिहास की वर्तमान प्रासंगिकता विषय पर परिचर्चा

प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग द्वारा दिनांक 20.02.2021 को ''इतिहास की वर्तमान प्रासंगिकता'' विषय पर परिचर्चा का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्राचार्य जी ने कहा कि भारत के गौरवशाली इतिहास के अध्ययन से उच्चतम स्तर के सामाजिक कार्य करने की प्रेरणा मिलती है और भारत को विश्वगुरू के रूप में पुनः प्रतिष्ठित करने की भावनाएं भी बलवती हो जाती हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि इतिहास अतीत का वह आयाम है जिसकी प्रासंगिकता वर्तमान से उसकी दूरी के आधार पर तय होती है।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का आयोजन

दिनांक 20.02.2021 को महाविद्यालय तथा परिवहन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री जयंत नार्लिकर आई.ए.एस. मण्डलायुक्त गोरखपुर, श्री के. विजयेन्द्र पाण्डियन जिलाधिकारी, गोरखपुर, श्री अंजनी कुमार सिंह, नगर आयुक्त गोरखपुर थे।

इस अवसर पर सड़क सुरक्षा माह के अन्तर्गत कार्यक्रम को बेहतर समन्वय स्थापित कर सम्पन्न कराने हेतु दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर के वाणिज्य विभाग के असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. संजय कुमार त्रिपाठी एवं शिक्षाशास्त्र विभाग की असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. रुक्मिणी चौधरी पुरस्कृत किये गये।

शिक्षा का प्रसार एवं जागरूकता अभियान

महाविद्यालय, गोरखपुर शिक्षा का प्रसार एवं जन जागरूकता अभियान चला रहा है, जिसके अंतर्गत रविवार को महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के विद्यार्थियों ने जंगल रामगढ़ उर्फ रजहीं में जागो ग्राहक जागो, अपने अधिकार मांगों विषय पर एक जन जागरूकता रैली निकाली तथा ग्राहकों के अधिकारों, उनके द्वारा बरती जाने वाली सावधानियां एवं शिकायत निवारण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों का पंपलेट बॉटा।

विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से उपभोक्ता को प्राप्त होने वाले प्रमुख अधिकारों जैसे सुरक्षित उत्पाद प्राप्त करने का अधिकार, अपने पसंद की वस्तु चुनने करने का अधिकार, खरीदी जा रही वस्तु से सम्बन्धित आवश्यक जानकारी जैसे प्रयोग विधि, गारंटी, वारंटी आदि प्राप्त करने का अधिकार, क्षतिपूर्ति निवारण का अधिकार आदि की जानकारी दी।

कार्यक्रम के समापन पर जंगल रामगढ़ उर्फ रजही के ग्राम प्रधान श्री रणविजय सिंह जी ने महाविद्यालय के इस प्रयास की न केवल सराहना की बल्कि नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति देने वाले विद्यार्थियों की प्रशंसा की तथा आशीर्वचन एवं शुभकामनाएं दी।

विश्व स्काउट दिवस एवं चिन्तन दिवस का आयोजन

दिनांक 22 फरवरी, 2021 को महाविद्यालय में दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में लार्ड बेडेन पावेल का जन्मदिन **'विश्व स्काउट दिवस'** और लेडी बेडेन पावेल का जन्मदिन **'चिंतन दिवस'** के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत जिला प्रशिक्षण आयुक्त श्री अजय कुमार सिंह जी एवं रेंजर लीडर श्रीमती जागृति विश्वकर्मा जी के द्वारा स्कार्फ पहनाकर और पुष्प देकर किया गया।

महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ अरुण कुमार सिंह जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह अजीब संयोग है कि बेडेन पावेल और लेडी बेडेन पावेल दोनों ही 22 फरवरी को पैदा हुए और दोनों लोगों ने युवाओं को समाज और देश के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। स्काउटिंग के कार्यक्रम युवाओं के लिए अत्यधिक स्वास्थ्यवर्धक और उपयोगी है। विशिष्ट अतिथि डॉ महेश कुमार सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि बेडेन पावेल युवाओं को विषम परिस्थितियों में जीवन जीने की कला को सीख दिया। बेडेन पावेल द्वारा लिखित **'एड्स टू स्काउटिंग'** नामक पुस्तक युवाओं को समाज के विकास में योगदान देने के लिए अत्यधिक प्रेरित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ शैलेंद्र प्रताप सिंह जी ने किया। कार्यक्रम के अंतर्गत रोवर्स–रेंजर्स के द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। जिसमें राहुल कुमार, अभय शाही राहुल चौधरी, सावित्री, अमरीन खातून, मंजीता साहनी आदि रोवर्स/रेंजर्स द्वारा नाटक , लोक नृत्य, लोकगीत, विभिन्न प्रस्तुति दी गयी। कार्यक्रम में डॉ संजय कुमार त्रिपाठी, जिला प्रशिक्षक के रूप में श्रीमती इशरत सिद्धकी, श्रीमती दुर्गावती धुसिया, श्रीमती किरण, श्री सत्यानंद आनंद आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

पाँच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन

दिनांक 23.02.2021 को महाविद्यालय के रोवर्स रेंजर्स पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री राम जनम सिंह पूर्व जिला मंडला आयुक्त भारत स्काउट गाइड तथा पूर्व प्रधानाचार्य महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज, गोरखपुर थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रोवर्स रेंजर्स हर पल सामाजिक कार्य के लिए तत्पर रहते हैं। अनुशासन के साथ–साथ सेवा करना इनका मुख्य उद्देश्य है।

अध्यक्षीय उद्‌बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर शैलेंद्र प्रताप सिंह जी ने कहा की रोवर्स रेंजर्स के प्रशिक्षण द्वारा छात्रों के अंदर सेवा, स्वावलंबन, अनुशासन की भावना को विकसित करता है।

ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन विषय पर विशिष्ट व्याख्यान एवं कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 24–02–2021 को महाविद्यालय में वनस्पति विज्ञान विभाग एवं विज्ञान क्लब के संयुक्त तत्वाधान में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर विशिष्ट व्याख्यान एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉ नीरज श्रीवास्तव एसोसिएट प्रोफेसर वनस्पति विज्ञान विभाग,संत एंड्यूज कालेज गोरखपुर थे। इस अवसर पर डॉ. नीरज ने कहा कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन आज बहुत बड़ी समस्या का रूप ले चुका है। देश में ठोस कूड़े–करकट का समुचित निस्तारण सुनिश्चित करने के लिए पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन हेतु समुचित व्यवस्था भी की गई है।

कार्यक्रम का संचालन वनस्पति विज्ञान प्रभारी श्री धर्मचंद विश्वकर्मा एवं आभार ज्ञापन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ परीक्षित सिंह ने किया।

मिशन शक्ति पर विशिष्ट व्याख्यान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

24 फरवरी, 2021 को दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के द्वारा **'मिशन शक्ति'** पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता महाविद्यालय के बी.एड. विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सरोज शाही थी। इस अवसर उन्होंने कहा कि किसी भी **देश के सबल, समर्थ व सक्षम महिला ही देश के विकास की गारंटी होती है।** भारत की नारी अपनी लज्जा, शील, संस्कृति व मर्यादा के लिए जानी जाती है। जिसके साथ ही अब वह स्वावलम्बन, आत्मनिर्भरता एवं अपनी सुरक्षा के प्रति भी जागरूक हुई है। इस दिशा में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मिशन शक्ति कार्यक्रम बहुत ही उपयोगी सिद्ध हुआ है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजशास्त्र विभाग के प्रभारी डॉ. आर.एल.गाडिया ने किया। स्वागत उद्‌बोधन डॉ. अर्चना सिंह ने किया तथा आभार ज्ञापन डॉ. सुनील कुमार सिंह ने किया।

इस अवसर पर स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के स्वागत में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

महिला सशक्तिकरण विषय पर विशिष्ट व्याख्यान

25 फरवरी 2021 को समाजशास्त्र विभाग के द्वारा **'महिला सशक्तिकरण'** विषय विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता प्रो. सरिता पाण्डेय शिक्षा शास्त्र विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर ने कहा कि प्राचीन काल में महिलाओं को पुरूषों के बराबर ही अधिकार प्राप्त था। यहॉ तक कि स्वयंवर में उनको अपने पति चुनने का भी अधिकार प्राप्त था। मैत्री, अपाला, गार्गी जैसी विदुषी महिलाएँ भी रही है, जिन्होनें अनके वैदिक श्लोकों व ग्रंथो की रचना की।

इस दिशा में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिला हेल्पलाइन की स्थापना, महिला शक्ति केन्द्र, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री सक्षम सुपोषण योजना, महिला सामर्थ्य योजना आदि अत्यन्त प्रभावी सिद्ध हो रहे है।

''वोकल फॉर लोकल''विषय पर समूह परिचर्चा

महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा 'वोकल फार लोकल' विषय पर समूह परिचर्चा **का आयोजन किया गया।** जिसमें वाणिज्य विभाग के स्नातक एवं स्नातकोत्तर के छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

उक्त समूह परिचर्चा में प्रधानमंत्री जी की विश्वसनीय एवं महत्वाकांक्षी योजनाएँ थी। जिसमें स्वदेशी उत्पादों के प्रयोग एवं छोटे उद्यम व उद्योंगो पर चर्चा हुई। भारत आर्थिक रूप से आत्म निर्भर बनेगा, ग्रामीण भारत व शहरी भारत के बीच अन्तर कम होगा। वोकल फार लोकल केवल स्वदेशी वस्तुओं के उपभोग को बढ़ावा ही नही देता बल्कि इनके प्रचार–प्रसार पर भी बल देता है।

उक्त कार्यक्रम में प्रथम स्थान अनन्या सिंह बी.काम.तृतीय, द्वितीय स्थान नीतिश पाण्डेय एम. काम.द्वितीय तथा तृतीय स्थान श्वेता राय, एम.काम. द्वितीय एवं सांत्वना पुरस्कार ऋचा शर्मा एम.काम. द्वितीय को प्राप्त हुआ।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता वाणिज्य विभाग के प्रभारी डॉ. संजीव कुमार सिंह एवं कार्यक्रम का संचालन डॉ. अमरनाथ तिवारी, आभार ज्ञापन श्री दीपक कुमार साहनी ने किया।

बालाकोट एयर स्ट्राइक : भारतीय विदेश नीति विषय पर विशिष्ट व्याख्यान

दिनांक 25.02.2021 को महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग एवं राजनीति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वाधान में छात्र परिषद द्वारा बालाकोट एयर स्ट्राइक की पूर्व संध्या पर, ''**बालाकोट एयर स्ट्राइक भारतीय विदेश नीति**'' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री महेंद्र कुमार सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर राजनीति विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर थे। डॉ. महेन्द्र सिंह ने बालाकोट एयरस्ट्राइक पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज का नया भारत विदेश नीति के परम्परागत सिद्धान्तों का सम्मान करता है। लेकिन उन सिद्धान्तों के पिजरे में बन्द नही है अब वह दुनिया के साथ अधिक सक्रिय और

व्यापक जुड़ाव रखते हुए अपनी नीतियों को कार्यान्वित करेगा। आज भारत ने अपनी विदेश नीति में परिवर्तन करते हुए सामरिक महत्व को प्राथमिकता दी है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि हम अपनी विदेश नीति के सिद्धान्तों का अनुपालन करते हुए आवश्यकता पड़ने पर मुंह तोड़ जबाब देने में भी सक्षम है। कार्यक्रम का संचालन रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. आर.पी.यादव, स्वागत भाषण राजनीति विज्ञान विभाग के असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. शैलेश कुमार सिंह एवं आभार ज्ञापन श्री इन्द्रेश कुमार पाण्डेय ने किया।

एन.सी.सी. द्वारा मनाया गया बालाकोट स्ट्राइक दिवस

महाविद्यालय एन.सी.सी. के कैडेटों ने 26 फरवरी 2019 को पाक अधिकृत कश्मीर बालाकोट में भारतीय सेना के द्वारा स्ट्राइक करके आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करने के उपलक्ष में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में एन.सी.सी. के कैडेटों ने महाविद्यालय परिसर से स्टेशन रोड स्थित महाराणा प्रताप की मूर्ति तक एक रैली निकाली। रैली को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर शैलेंद्र प्रताप सिंह ने झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर खेल एवं युवा मंत्री डॉ. विभ्राट चन्द कौशिक, एन. सी. सी. के ए. एन. ओ. डॉ. कमलेश कुमार मौर्य ने महाराणा प्रताप की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। इसके बाद डॉक्टर विभ्राट चंद्र कौशिक ने कैडेटों को संबोधित किया। छात्रों को संबोधित करते हुए डॉ. कौशिक ने कहा कि भारत की सेना आतंकवाद से लड़ने के लिए बिल्कुल तैयार है। आज ही के दिन भारतीय सेना ने अदम्य साहस का परिचय दिया तथा पाक अधिकृत कश्मीर के कई आतंकवादी ठिकानों को नेस्तनाबूद किया। भारतीय सेना दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे साहसी सेना है। बालाकोट स्ट्राइक करके भारतीय सेना ने यह दिखा दिया कि भारत में आतंकवाद का सफाया कर के दम लेंगे।

संत रविदास जी की जयंती एवं विज्ञान दिवस की पूर्व संध्या पर अतिथि व्याख्यान एवं पोस्टर पी.पी.टी. प्रतियोगिता का आयोजन

दिनाँक 27 फरवरी 2021 को संत रविदास जी की जयंती एवं विज्ञान दिवस की पूर्व संध्या पर बी.एससी गणित संवर्ग द्वारा अतिथि व्याख्यान, का आयोजन हुआ। इस अवसर पर पोस्टर एवं पीपीटी प्रतियोगिता का भी आयोजन दो सत्रों में हुआ। प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि डॉ कृपा मणि मिश्र,असिस्टेंट प्रोफेसर, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर, विश्वविद्यालय गोरखपुर थे। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को संत रविदास जी के जीवन परिचय कराते हुए कहा कि संत रविदास बचपन से ही परोपकारी और दयालु स्वभाव के थे। दूसरों की सहायता करना उन्हें बहुत अच्छा लगता था। खास कर साधु–संतों की सेवा और प्रभु स्मरण में वे विशेष ध्यान लगाते थे। उनके द्वारा कहे शब्द, दोहे, पद और अनमोल वचन आज भी हम सभी को सदैव आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

द्वितीय सत्र में विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों द्वारा भौतिक विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान एवं गणित विषय पर पोस्टर एवं पीपीटी प्रस्तुति प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।जिसमें बी.एससी प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया, जिसका मूल्यांकन डॉ मिश्रा द्वारा किया गया एवं प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया गया।

पुरस्कार पाने वाले विद्यार्थियों की सूची।

प्रतियोगिता	नाम	कक्षा	स्थान
पोस्टर	कविता रतन वर्मा	बी.एससी. द्वितीय वर्ष	प्रथम
	ओजस्वी सिंह	बी.एससी. द्वितीय वर्ष	द्वितीय
	विजय गौड़	बी.एससी. द्वितीय वर्ष	तृतीय
पी.पी.टी.	अंशिका पाण्डेय	बी.एससी. द्वितीय वर्ष	प्रथम
	गुड़िया गौड	बी.एससी. द्वितीय वर्ष	द्वितीय
	निमेश दूबे	बी.एससी. तृतीय वर्ष	तृतीय

इस कार्यक्रम का संयोजन डॉ नितेश कुमार शुक्ला, असिस्टेंट प्रोफेसर, भौतिक विज्ञान विभाग एवं तकनीकी सहयोग डॉ पवन पाण्डेय, असिस्टेंट प्रोफेसर, कम्प्यूटर विज्ञान विभाग ने किया।

संत रविदास : व्यक्तित्व एवं कृतित्व

महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा **'संत रविदास जी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व'** विषय पर अन्तरविषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें **मुख्य वक्ता डॉ. अर्चना सिंह महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर थी। उन्होंने** संत रविदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि संत रविदास का सामाजिक समरसता में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वर्तमान परिवेश में जब जातिवाद एवं धार्मिक उन्माद अपने चरम पर है ऐसे में संत रविदास का जीवन दर्शन समाज को दिशा देने में कारगर सिद्ध हो सकता है।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर के व्यवसाय प्रशासन विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. नीरज कुमार सिंह थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि संत रविदास के आदर्शों को आत्मसात कर युवा देश व समाज के विकास में प्रभावी भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ शैलेंद्र प्रताप सिंह ने किया। इस अवसर पर वाणिज्य विभाग के द्वारा वर्ष भर आयोजित कार्यक्रमों में पोस्टर, समूह परिचर्चा, रंगोली आदि में प्रतिभाग करने वाले छात्र–छात्राओं को प्रमाण–पत्र देकर पुरस्कृत किया गया।